हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "ए" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 118 हल्द्वानी (नैनीताल) बुधवार 11 मार्च 2026 मूल्य रू 2 पृष्ठ : 8

घरेलू गैस की कीमतों में वृद्धि गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी

नैनीताल (संवाददाता)। जिला जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने बताया कि वर्तमान अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य के परिप्रेक्ष्य में जनपद अन्तर्गत घरेलू गैस की कीमतों में वृद्धि तथा कतिपय स्थानों पर गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी की शिकायतें सामने आ रही है। एलपीजी गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी की रोकथाम एवं वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाये रखना अत्यावश्यक है। इस संबंध में जिलाधिकारी ने अपर जिला अधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट हल्द्वानी तथा समस्त उप जिला अधिकारियों सहित जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिये है कि एलपीजी सिलेंडर की कालाबाजारी एवं जमाखोरी को रोकने के दृष्टिगत लगातार छापेमारी की कार्यवाही करते हुए जनपद अर्न्तगत गैस वितरण एजेन्सियों पर प्रभावी पर्यवेक्षण की कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश जारी करते हुए गैस एजेन्सियों से सम्बन्धित गोदाम में स्टॉक की स्थिति, एलपीजी सिलेन्डर वितरण की स्थिति, सिलेंडरों के वितरण व्यवस्था में एक के पश्चात् दूसरे सिलेंडर में अन्तराल से सम्बन्धित नियमों का पालन की स्थिति, एलपीजी सिलेंडरो के अवैध रिफिलिंग पर कार्यवाही तथा उपभोक्ता को निर्गत गैस वितरण पासबुक में वितरण से सम्बन्धित विवरण का अंकन करने को कहा है। उन्होने कहा कि छापेमारी की कार्यवाही के दौरान विशेष निगरानी रखते हुए अनियमितता पाये जाने की स्थिति में प्रभावी कार्यवाही करना भी सुनिश्चित करें।

आबकारी विभाग ने विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की

रुद्रपुर (संवाददाता)। /अवैध शराब बनाने और बेचने के खिलाफ आबकारी विभाग ने मंगलवार को विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की। आबकारी आयुक्त उत्तराखंड और जिला प्रशासन के निर्देश पर विभिन्न क्षेत्रों में दबिश देकर 05 अवैध शराब की भट्टियों को तोड़ते हुए 170 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई, जबकि मौके पर 11,800 किलो लहन नष्ट किया गया।अभियान के तहत टीमों ने बन्नाखेड़ा, इटव्वा, गजरौला (बाजपुर) और बसघर (सितारगंज) क्षेत्रों में छापेमारी कर अवैध शराब निर्माण के अड्डों पर कार्रवाई की।आबकारी टीम ने बाजपुर क्षेत्र के ग्राम बन्नाखेड़ा, इटव्वा और गजरौला में दबिश दी। इस दौरान 03 अवैध भट्टियां नष्ट की गई। साथ ही 8000 किलो लहन मौके पर नष्ट किया गया तथा 80 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई।वहीं खटीमा क्षेत्र की टीम ने सितारगंज क्षेत्र के बसघर गांव में छापेमारी कर 02 भट्टियों को नष्ट किया।

315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया

रुद्रपुर (संवाददाता)। अवैध तमंचा लहराते हुए फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोपी युवक को पुलिस ने 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार जिले में अपराध और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को नशा, ड्रग्स, मादक पदार्थों और अवैध हथियारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर रुद्रपुर और क्षेत्राधिकारी रुद्रपुर ने कोतवाली रुद्रपुर पुलिस को विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए थेनिर्देशों के तहत कोतवाली रुद्रपुर पुलिस और चौकी बिगवाड़ा की टीम ने अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान चलाते हुए 9 मार्च को एक युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान बृजेश यादव (22) पुत्र जितेंद्र यादव, निवासी भगवाड़ा भाटा, थाना रुद्रपुर, जिला ऊधमसिंह नगर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने होली के दौरान अवैध तमंचा लहराते हुए अपनी फोटो खिंचवाई थी और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया था। फोटो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की और आरोपी की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 315 बोर का एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर कोतवाली रुद्रपुर में आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार करने के साथ ही उसके आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है।चौकी बिगवाड़ा प्रभारी सुरेंद्र सिंह रिंगवाल ने बताया कि क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। कहा कि अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की बुकिंग और आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद

नैनीताल (संवाददाता)। /देहरादून पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते संभावित गैस संकट को देखते हुए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। उत्तराखंड में फिलहाल कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की बुकिंग और आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद कर दी गई है। साथ ही केंद्र सरकार ने आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम (ESM।) लागू करते हुए घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।पूर्ति विभाग के एडिशनल कमिश्नर पी. एस. पांगती ने बताया कि राज्य में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की पर्याप्त सप्लाई नहीं होने के कारण यह निर्णय लिया गया है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए केवल अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों को ही कमर्शियल गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि जरूरी सेवाएं बाधित न हों।इस फैसले से राज्य के होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को फिलहाल परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। विभाग का कहना है कि जैसे ही सिलेंडरों की सप्लाई सामान्य होगी, सभी उपभोक्ताओं के लिए नियमित आपूर्ति फिर से शुरू कर दी जाएगी।जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए मैड। लागूकेंद्र सरकार ने एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के उद्देश्य से मैड। लागू किया है। इसके तहत गैस की आपूर्ति को नियंत्रित कर आवश्यक सेवाओं और घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जाएगी।सरकार का कहना है कि हाल के महीनों में गैस सिलेंडरों की जमाखोरी की घटनाएं बढ़ने लगी थीं, जिससे आम उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही थी।आवश्यक सेवाओं को मिलेगी प्राथमिकतामैड। लागू होने के बाद अस्पताल, स्कूल, सरकारी संस्थान और अन्य जरूरी सेवाओं को एलपीजी और अन्य ईंधन की सप्लाई में विशेष प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े।रिफाइनरियों को उत्पादन बढ़ाने के निर्देशघरेलू रसोई गैस की उपलब्धता बनाए रखने के लिए सरकार ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश भी दिए हैं। यह कदम पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण संभावित आपूर्ति बाधाओं से निपटने के लिए उठाया गया है।आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की कुल एलपीजी खपत 3.13 करोड़ टन रही, जबकि घरेलू उत्पादन केवल 1.28 करोड़ टन था। शेष जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत को बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर रहना पड़ता है।पश्चिम एशिया के तनाव से बढ़ी चिंताविशेषज्ञों के मुताबिक भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 85ख्90 प्रतिशत आयात करता है, जिसमें बड़ा हिस्सा सऊदी अरब और अन्य पश्चिम एशियाई देशों से आता है। यह सप्लाई मुख्य रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते होती है। हाल के दिनों में ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच बढ़ते संघर्ष के चलते इस अहम समुद्री मार्ग के बाधित होने की आशंका बढ़ गई है, जिससे वैश्विक स्तर पर गैस और तेल संकट की संभावना गहराने लगी है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

समाधान ढूंढना सही दृष्टिकोण

क्या अब ये बात भरोसे के साथ कही जा सकती है कि न्यायपालिका ने अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा कर ली है? आखिर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की धारणा इस हद तक क्यों पहुंच गई कि पाठ्य-पुस्तक में उसका जिक्र होने लगा?एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की किताब में न्यायपालिका के सामने मौजूद चुनौतियों के जिक्र से बार एसोसिएशन के साथ-साथ प्रधान न्यायाधीश भी आहत हुए। पुस्तक में जिन चुनौतियों का उल्लेख है, उनमें विचाराधीन मुकदमों की विशाल संख्या, न्यायाधीशों की कमी, और न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोप शामिल हैं। न्यायपालिका में इससे इतनी नाराजगी फैली कि प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया। कहा कि कि संस्था के प्रमुख के बतौर उसकी प्रतिष्ठा की रक्षा करना उनका कर्त्तव्य है।उधर बार एसोसिएशन ने सवाल उठाया कि किताब में संसद में आपराधिक छवि के व्यक्तियों की मौजूदगी और शासन के दूसरे क्षेत्रों में मौजूद भ्रष्टाचार की चर्चा एनसीईआरटी ने क्यों नहीं की? चूंकि न्यायपालिका के पास अवमानना कार्यवाही की ताकत है, इसलिए प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणियों का तुरंत असर हुआ। एनसीईआरटी ने संबंधित किताब पर अफसोस जताते हुए उसकी बिक्री तुरंत रोक दी और उस हिस्से को हटाने का एलान किया, जिस पर विवाद खड़ा हुआ। मगर क्या न्यायपालिका से जुड़े लोग ये बात भरोसे के साथ कह सकने की स्थिति में हैं कि अब उन्होंने अपनी संस्था की प्रतिष्ठा की रक्षा कर ली है?

क्या उनके लिए यह प्रश्न उठाना बेहतर नहीं होता कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की धारणा इस हद तक क्यों पहुंच गई कि पाठ्य-पुस्तक में उसका जिक्र होने लगा? क्या यह अधिक उचित एवं सकारात्मक नजरिया नहीं होता कि वे ऐसी धारणा की जड़ तक पहुंचेंगे और उसका निवारण करेंगे? इस बात से कोई इनकार नहीं है कि बात सभी जगहों पर मौजूद खामियों की होनी चाहिए। मगर एक जगह खामी है, तो उससे दूसरे स्थलों पर मौजूद बुराइयों को सही बताने का तर्क तो नहीं मिल जाता? सार्वजनिक लाभ के नजरिए से कहा जाता है कि धूप सर्वश्रेष्ठ कीटाणु नाशक है- यानी पारदर्शिता भूल-सुधार का आरंभिक उपाय है। अतः संदेह, आरोप, या धारणाओं को दबाने की कोशिश के बजाय उनसे संबंधित तथ्यों को सामने लाना, उन पर बहस करना और जहां समस्या नजर आए उसका समाधान ढूंढना सही दृष्टिकोण माना जाएगा। और उससे ही विभिन्न संस्थाओं सहित पूरे राज्य-तंत्र की प्रतिष्ठा सुरक्षित हो सकेगी।

एआई क्रांति की फसल काटने का बंदोबस्त

अजीत द्विवेदी

दिल्ली में हुआ इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 भारत में एआई क्रांति की मजबूत आधारशिला रखने वाले कार्यक्रम साबित होगा या वक्ती मीडिया हाइप के बाद इसका भी मामला नेपथ्य में चला जाएगा और सब कुछ वैसे ही चलता रहेगा, जैसा पहले चलता रहा है? यह सवाल इसलिए है क्योंकि ऐतिहासिक रूप से अब तक हुई तमाम औद्योगिक और संचार क्रांतियों में भारत की भूमिका नगण्य रही है। पहली औद्योगिक क्रांति में भी भारत ने न कुछ आविष्कार किया और न कोई निर्माण किया।उसी तरह संचार क्रांति में भी भारत का योगदान एक यूजर देश के रूप में ही रहा। भारत ने हर क्रांति में बने उत्पादों का इस्तेमाल किया। अगर सोशल मीडिया क्रांति में भारत की उपलब्धि यह है कि भारत में सबसे ज्यादा 45 करोड़ फेसबुक यूजर हैं तो एआई क्रांति में अभी तक भारत की उपलब्धि का आंकड़ा यह है कि भारत में चौटजीपीटी के अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा यूजर हैं। भारत में इनका इस्तेमाल करने वालों की संख्या साढ़े 14 करोड़ है।अब दुनिया भर की एआई कंपनियों में होड़ मची है कि किसके यूजर सबसे ज्यादा होंगे। गूगल को अपने जेमिनी के यूजर बढ़ाने हैं तो सुंदर पिचाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साथ मीटिंग के बाद मीडिया के सामने कहा कि उनकी कंपनी भारत के दो करोड़ कर्मचारियों को एआई के इस्तेमाल की ट्रेनिंग देगा। इसी तरह सैम ऑल्टमैन की कंपनी ओपनएआई भी चौटजीपीटी के इस्तेमाल के लिए प्रशिक्षण देगी। माइक्रोसॉफ्ट ने भी 30 लाख लोगों को प्रशिक्षण देने की घोषणा की है। 30 साल पहले इसी तरह माइक्रोसॉफ्ट के ट्रेनिंग कैंप लगते थे। उनके पेशेवर भारत के लोगों को माइक्रोसॉफ्ट के ऑपरेटिंग सिस्टम के इस्तेमाल की जानकारी देते थे। लोगों को ईमेल और सर्च इंजन के इस्तेमाल में प्रशिक्षित किया जाता था।आज भी वही इतिहास दोहरा रहा है। आप कोई भी यूट्यूब प्लेटफॉर्म खोलिए वहां सबसे ज्यादा विज्ञापन इस बात का आ रहा है कि एआई का इस्तेमाल करना सीखें और कमाई बढ़ाए। याद करें कैसे पहली संचार क्रांति के समय गली गली में कंप्यूटर और लैपटॉप रिपेयर की दुकानें खुलीं, उसके बाद मोबाइल हैंडसेट के रिपेयर और सिम बेचने की दुकानें खुलीं और अब हर जगह एआई सिखाने की दुकानें खुल रही हैंसवाल है कि इसमें भारत का अपना क्या है? इसी एआई इम्पैक्ट समिट में भारत की कंपनी सर्वम ने अपना प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। बेंगलुरू स्थित कंपनी ने पहला मल्टी बिलियन पैरामीटर का एलएलएम यानी लार्ज लैंग्वेज मॉडल पेश किया। लेकिन अभी इसका इस्तेमाल शुरू नहीं हुआ है। आम लोगों के बीच यह नहीं पहुंचा है और न इसके पेशेवरों द्वारा लोगों को सर्वम के इस्तेमाल की ट्रेनिंग दी जा रही है। दूसरी ओर अमेरिका की कंपनियों के प्लेटफॉर्म करोड़ों की संख्या में लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे हैं। चौटजीपीटी के कई वर्जन आ गए। उसे लगातार अपग्रेड किया जा रहा है। इसी तरह जेमिनी, ग्रॉक, परप्लेक्सिटी जैसे प्लेटफॉर्म का करोडों लोग इस्तेमाल कर रहे हैं। चीन के डीपसीक की बात छोड़ दें तो अमेरिकी कंपनियां पूरी दुनिया पर छा गई हैं। उनके यहां इस पर इतना रुपया खर्च किया जा रहा है, जिसकी भारत में कल्पना भी नहीं की जा सकती है।अमेरिका अगले साल एआई पर साढ़े छह सौ बिलियन डॉलर यानी करीब छह लाख करोड़ रुपए का है। चीन अगले साल सौ बिलियन डॉलर यानी एक लाख करोड़ रुपए का है। इसके मुकाबले भारत सरकार ने इस साल बजट में एआई के लिए एक हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। सोचें, कहां छह लाख और एक लाख करोड़ और कहां एक हजार करोड़! दुनिया के एआई पेटेंट में भारत का हिस्सा सिर्फ 0. 39 फीसदी है तो चीन का हिस्सा 70 फीसदी है।भारत सरकार एक हजार करोड़ रुपए खर्च कर रही है लेकिन देश के अरबपतियों ने लाखों करोड़ रुपए के निवेश का ऐलान किया। इतना बड़ा ऐलान है कि अमेरिका और चीन भी चित हो जाएं। अडानी समूह ने अगले 10 साल में 18 लाख करोड़ तो अंबानी समूह ने सात साल में 10 लाख करोड़ रुपए निवेश का ऐलान किया है। सोचें, यह रकम पढ़ कर लगेगा कि अब भारत एआई क्रांति का विश्वगुरू बनने वाला है। भारत को कोई नहीं रोक सकता है। यह भी भाव मन में पैदा होगा कि अमेरिका और चीन भारत के इन दो कारोबारियों केसामने क्या हैं।अब सवाल है कि क्या ये दोनों कारोबारी किसी एआई प्लेटफॉर्म का निर्माण करेंगे, क्या ये कोई चौटजीपीटी जैसा बना देंगे और भारत के लोग उसका इस्तेमाल करने लगेंगे? हम ज्यादा उम्मीद नहीं करते हैं। यह नहीं सोचते हैं कि भारत के अंबानी और अडानी कुछ ऐसा बना देंगे, जिसका इस्तेमाल अमेरिका या यूरोप के लोग करने लगेंगे लेकिन क्या भारत के लोगों के लिए भी ये कंपनियां कुछ बना पाएंगी? इनका इतिहास देखते हुए लग नहीं रहा है कि ये कुछ बनाएंगी।

भारत में सिर्फ टेलर मेड एप्लीकेशन तैयार होंगे

हरिशंकर व्यास

दुनिया भर में एक के बाद एक बड़े सम्मेलन हो रहे हैं। पहले जनवरी में स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक हुई। उसके बाद फरवरी में जर्मनी में म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस हुई। फिर दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट हुआ। अगले महीने भारत में रायसीना डायलॉग्स होंगे। सवाल है कि इन तमाम सम्मेलनों में भारत के लिए क्या है? क्या दुनिया भारत को पूछ रही है या भारत किसी भी मामले में दुनिया को रास्ता दिखा रहा है? आर्थिक मंच की बैठक में या सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में या एआई समिट में भारत के पास दिखाने के लिए क्या था? ले देकर भारत के पास एकमात्र चीज यह है कि भारत दुनिया भर के उत्पाद खरीद सकता है। चाहे उपभोक्ता उत्पाद हों या हथियार हों या एआई की तकनीक हो, भारत एक खरीदार है। इसके अलावा कोई भारत की परवाह नहीं करता।म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में भी दुनिया की प्राथमिकता दिखी। जिस समय यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का सेशन होना था उस समय पूरा हॉल भरा हुआ था, लोग खड़े होकर फ्रांस और यूक्रेन की बात सुन रहे थे। यूरोप के लोगों के लिए रूस और यूक्रेन का युद्ध एक चिंता की बात है। लेकिन इसके तुरंत बाद भारत और जर्मनी का सेशन था, जिसमें पूरा हॉल खाली पड़ा हुआ था। किसी को इस बात की चिंता नहीं थी कि भारत क्या कह रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि रूस और यूक्रेन युद्ध में भारत ने किसी तरह की भूमिका नहीं निभाई। भारत ने सिर्फ बयानबाजी की। प्रधानमंत्री मोदी ने हर जगह कहा कि यह युद्ध का समय नहीं है। उनको लगता था कि यह बहुत बड़ा वाक्य है और इसे बोलने से युद्ध खत्म हो जाएगा। लेकिन युद्ध के चार साल हो गए। यूरोप के सारे देश यूक्रेन की मदद करते रहे लेकिन भारत इस दौरान रूस से तेल खरीदता रहा। तभी म्यूनिक सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में भारत अप्रासंगिक था। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर अपनी बात कह आए लेकिन किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया।उससे पहले दावोस में भारत के कई राज्यों के मुख्यमंत्री और कई केंद्रीय मंत्री विश्व आर्थिक मंच में हिस्सा लेने पहुंचे थे। लेकिन पूरा सम्मेलन अमेरिका और यूरोप के मुद्दे पर केंद्रित रहा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई मंत्रियों के साथ पहुंचे थे और अमेरिका ने अपना पैवेलियन बनवाया था। लेकिन दावोस में यूरोप के देशों ने कमाल की एकजुटता दिखाई। ट्रंप ने ग्रीनलैंड लेने की बता कही तो अगली कतार में बैठे ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति उठ कर चले गए। उनके साथ साथ यूरोप के ज्यादातर देशों के नेता वहां से निकल गए।सबने बाहर जाकर कहा कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है। यूरोप के देशों ने मिल कर ट्रंप की दादागिरी का मुकाबला किया और मजबूरी में ट्रंप को टैरिफ लगाने के फैसले से पीछे हटना पड़ा। लेकिन वहां भी भारत के नेता क्या कर रहे थे? महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने दावोस जाकर अपने ही राज्य के एक बड़े बिल्डर लोढा समूह के साथ एग्रीमेंट किया। इसी तरह झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दावोस में टाटा समूह के साथ करार किया। सोचें, भारत के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री दावोस जाकर ऐसे ही घूमते रहे और अपनी देशी कंपनियों से ही निवेश का करार करके लौटे।ऐसे ही दिल्ली के एआई समिट में हुआ है। दुनिया भर की एआई कंपनियों ने भारत में अपने लिए बाजार की संभावना देखी और निवेश का वादा किया। यह कितनी हैरानी की बात है कि भारत ने ओपन एआई के सैम ऑल्टमैन, एंथ्रोपिक्स के डारियो अमोदाई, गूगल के सुंदर पिचाई आदि की बात की लेकिन किसी दूसरे देश ने भारत के सर्वम या परम की बात नहीं की। इसका मतलब है कि भारत में एआई के सेक्टर में जो काम हो रहा है उसे लेकर दुनिया में कोई गंभीर नहीं हैसबको पता है कि भारत में कोई ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार नहीं हो रहा है, जो चौटजीपीटी या ग्रॉक या क्लॉड, जेमिनी या परप्लेक्सिटी या डीपसीक का मुकाबला कर सके। भारत सेक्टर बेस्ड एप्लीकेशंस बनाएगा, जिसे भारत में भी कम ही लोग इस्तेमाल करेंगे। भारत की तकनीकी क्षमता की पहले परीक्षा हो चुकी है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

संक्षिप्त समाचार...

कृष्णा नगर में आठ घंटे गुल रही बिजली, 16 हजार लोग परेशान

रुड़की(संवाददाता)। कृष्णा नगर क्षेत्र में बिजली लाइनों की मरम्मत के चलते मंगलवार को करीब आठ घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रही। सुबह करीब 10 से शाम 6 बजे तक रामनगर बिजलीघर पूरी तरह बंद रहने से क्षेत्र की करीब 16 हजार की आबादी को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली कटौती का असर घरों से लेकर दुकानों तक दिखाई दिया। वहीं बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को भी दिक्कत झेलनी पड़ी। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह अचानक बिजली गुल होने के बाद लंबे समय तक आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, गर्मी भी बढ़ती गई और बिना बिजली के लोग परेशान होते रहे। कई घरों में इनवर्टर भी जवाब दे गए, जिससे दोपहर के समय हालात और कठिन हो गए। कृष्णानगर निवासी राजीव कुमार ने बताया कि क्षेत्र में करीब पूरे दिन बिजली नहीं रही। गर्मी के कारण छोटे बच्चों और बुजुर्गों को काफी परेशानी हुई। उन्होंने कहा कि यदि पहले से स्पष्ट जानकारी मिल जाती तो लोग अपनी व्यवस्था कर सकते थे। वहीं गृहिणी सीमा देवी का कहना है कि दिनभर बिजली न रहने से पानी की मोटर भी नहीं चल सकी, जिससे घरेलू कामकाज भी प्रभावित हुए। इस समय बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं। ऐसे में बिजली कटौती से विद्यार्थियों की पढ़ाई पर भी असर पड़ा। छात्र आकाश ने बताया कि परीक्षा की तैयारी के लिए दिन का समय सबसे महत्वपूर्ण होता है, लेकिन बिजली न होने के कारण पढ़ाई में बाधा आई। कई छात्रों को गर्मी में बैठकर तैयारी करनी पड़ी। ऊर्जा निगम के एसडीओ पंकज गौतम ने बताया कि कृष्णा नगर क्षेत्र में बिजली लाइनों की मरम्मत और रखरखाव का कार्य किया जा रहा था। इसी कारण सुबह 10 से शाम 6 बजे तक रामनगर बिजलीघर को बंद रखा गया। उन्होंने कहा कि यह कार्य भविष्य में बिजली आपूर्ति को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

बाईपास से बस निकाली तो चालक-परिचालक पर होगी कार्रवाई

रुड़की(संवाददाता)। उत्तराखंड परिवहन निगम ने बसों के डिपो में प्रवेश किए बिना बाईपास से निकलने की प्रवृत्ति पर सख्ती शुरू कर दी है। अब यदि किसी डिपो की बस रुड़की रोडवेज बस अड्डे में आए बिना सीधे बाईपास से गुजरती पाई गई तो चालक-परिचालक दोनों पर 2500-2500 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके लिए विभाग की ओर से विशेष चेकिंग अभियान शुरू किया जा रहा है। रुड़की डिपो के एजीएम अमिता सैनी ने बताया कि कई बार शिकायतें मिलती रही हैं कि दूसरे डिपो की बसें रुड़की बस अड्डे के अंदर आने के बजाय बाईपास मार्गों से ही निकल जाती हैं। इससे यात्रियों को परेशानी होती है और बस अड्डे पर सवारियों को बस नहीं मिल पाती।

सड़क हादसे में घायलों की मदद के बजाय बाइक ले उड़े चोर

रुड़की(संवाददाता)। क्षेत्र के बिझौली गांव के पास सड़क दुर्घटना में घायल युवकों की मदद करने के बजाय अज्ञात चोरों ने उनकी बाइक पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी पुनीत अपने दो मित्रों रंजीत और योगेश के साथ बीते 16 फरवरी को हरिद्वार से मेरठ की ओर जा रहे थे। शाम करीब 5 से 6 बजे के बीच, जब उनकी बाइक मंगलौर के निकट बिझौली गांव के पास पुल पर पहुंची तो अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के समय घायल युवक अपनी बाइक को मौके पर ही छोड़ गए थे। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जब पीड़ित के परिजन और रिश्तेदार घटनास्थल पर बाइक लेने पहुंचे, तो वहां से वाहन गायब मिला। काफी खोजबीन के बाद भी जब बाइक का पता नहीं चला। पीड़ित पुनीत ने इस संबंध में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह का कहना है कि केस दर्ज का जांच शुरू कर दी है।

नाबालिग के अपहरण-दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

रुडकी संवाददाता। बुग्गावाला पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। विगत पांच मार्च को क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देकर परमजीत सिंह पर बेटी को बहला फुसलाकर अपने साथ ले जाने की शिकायत की थी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर परमजीत को उसके गांव से गिरफ्तार किया कर लिया।

बिना डाक्टर की सलाह के दवा न छोड़ें किडनी रोगी

रिषिकेष संवाददाता। विश्व गुर्दा दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को एम्स ऋषिकेश में आयोजित जन जागरूकता कार्यक्रम में मरीजों, तीमारदारों और अन्य लोगों को गुर्दे से जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरुक किया गया। विशेषज्ञों ने सलाह दी कि बिना डॉक्टर की सलाह के किडनी रोगी दवा न छोड़ें। गुर्दा रोग विभाग के डॉ. दीपेश धूत ने किडनी रोगों और उनके लक्षणों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि अधिकांश मामलों में यह बीमारी अनियंत्रित बीपी और शुगर की वजह से पनपती है। उन्होंने क्रोनिक किडनी रोगियों को सलाह दी कि अपनी दिनचर्या के अनुरूप खान-पान को सही रखते हुए शरीर में पोटेशियम की मात्रा बढ़ने न दें। बताया कि किडनी रोगियों को बिना डॉक्टर की सलाह के पेन किलर दवा नहीं लेनी चाहिए। डायलिसिस करवाने वाले रोगियों को उन्होंने सलाह दी खानपान में परहेज रखकर उच्च गुणवत्ता का प्रोटीन लेकर अपने भोजन में नमक कम रखें। केला, संतरा, आलू, नारियल पानी जैसे पोटेशियम पदार्थों के सेवन से भी बचें। डॉ. शेरोन कंडारी ने ने किडनी दाता, प्रत्यारोपण की तैयारी, प्रत्यारोपण के बाद रोगी की देखभाल व संभावित जटिलताओं को बारीकी से समझाया। मौके पर नेफ्रोलाजी विभाग की रेजिडेन्ट डॉ. संदीप कौर, असिस्टेंट प्रो. साहिल गर्ग, प्रो. रविकांत, नेफ्रोलॉजी विभाग के विभिन्न एसआर, जेआर, नर्सिंग अधिकारी मौजूद रहे।इंसेटएम्स कर चुका 22 लोगों में गुर्दा प्रत्यारोपणऋषिकेश। कार्यक्रम के दौरान डा शेरोन कंडारी ने बताया कि एम्स ऋषिकेश द्वारा अब तक गुर्दा प्रत्यारोपण के 22 मामले सफलता के साथ किए गए हैं। एम्स को एक उन्नत गुर्दा प्रत्यारोपण बताते हुए उन्होंने बताया कि ब्रेन डेथ घोषित हो चुके एक व्यक्ति के अंगदान से 8 जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। कहा कि दूसरों का जीवन बचाने वाला व्यक्ति महादानी होता है। देश में प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों को किडनी ट्रांसप्लांट की आवश्यकता होती है। डा कंडारी ने अंगदान से जुड़े सभी प्रकार के भ्रम दूर किए और कहा कि अंगदान प्रक्रिया में ध र्म आड़े नहीं आता है। सभी धर्मों के लोग अंगदान कर सकते हैं।

लाखों की लागत से निर्मित कैफेटेरिया बना 'सफेद हाथी'

ऋषिकेश(संवाददाता)। नगर पालिका क्षेत्र में ऋषिकेश रोड स्थित शहीद दुर्गा मल्ल राजकीय महाविद्यालय के समीप लाखों रुपये की लागत से बनाया गया कैफेटेरिया 'सफेद हाथी' बनकर रह गया है। निर्माण पूरा हुए कई वर्ष बीत जाने के बावजूद अब तक इसका संचालन शुरू नहीं हो पाया है। निविदा प्रक्रिया आगे न बढ़ने के कारण यह भवन लंबे समय से बंद पड़ा है और जर्जर हालत में पहुंचता जा रहा है। इस कैफेटेरिया का शिलान्यास कई वर्ष पूर्व तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा किया गया था। उस समय इसे नगर क्षेत्र के विकास, पर्यटकों की सुविध ा और स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण योजना बताया गया था। लेकिन निर्माण के बाद भी नगर पालिका प्रशासन इसे संचालित कराने में विफल रहा। निविदा प्रक्रिया पूरी न होने के कारण कैफेटेरिया का उपयोग नहीं हो सका। लंबे समय से बंद पड़े रहने के कारण भवन की हालत लगातार खराब होती जा रही है। शरारती तत्वों द्वारा कैफेटेरिया के कई शीशे तोड़ दिए गए हैं। इसके अंदर लगी बिजली की तारों और बिजली के बोर्डों को भी नुकसान पहुंचाया गया है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनता के टैक्स के पैसों से बनाए गए इस कैफेटेरिया का वर्षों तक उपयोग न होना सीध ा तौर पर सरकारी धन के दुरुपयोग को दर्शाता है। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन शीघ्र निविदा प्रक्रिया पूरी कर कैफेटेरिया का संचालन शुरू कराए जाने और क्षतिग्रस्त भवन की मरम्मत के साथ बिजली व्यवस्था व सुरक्षा इंतजाम भी तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की।कोटकैफेटेरिया के संचालन को लेकर विभागीय स्तर पर आवश्यक प्रक्रिया चल रही है। बहुत जल्द कैफेटेरिया के संचालन के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू की जाएगी। निविदा पूर्ण होने के बाद इसे नियमानुसार संचालित कराया जाएगा।-एमएल शाह, ईओ नगर पालिका डोईवाला

राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान

ऋषिकेश(संवाददाता)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गांधीग्राम बुल्लावाला में मंगलवार को आयोजित समारोह में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख अश्वनी बहुगुणा ने किया। उन्होंने राज्य स्तर पर ताइक्वांडो में फरहान, अभिमन्यु, सुमित, अनिकेत, अंशिका और कनक; जूडो में अनिकेत, अंशिका और कनक; बॉक्सिंग में अनिकेत और विभोर थापा,कुश्ती में अनिकेत, सौरभ, अंशिका और रुकैया को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर कुश्ती में क्षेत्र का नाम रोशन करने वाली रुकैया को विशेष प्रोत्साहन राशि देकर सम्मान प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे ही कल का भविष्य हैं। खेल बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व विकसित करते हैं। यदि शुरुआत से उन्हें सही मंच और निरंतर प्रोत्साहन मिले, तो ये नन्हे खिलाड़ी प्रदेश ही नहीं, देश का नाम रोशन करेंगे।

किराये के कमरों पर कब्जे का प्रयास, केस दर्ज

हरिद्वार(संवाददाता)। ज्वालापुर क्षेत्र में किराये के कमरों का ताला तोड़कर कब्जा करने और विरोध करने पर ध मकी दी गई है। पुलिस ने नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मंगलवार को भूपतवाला की पीपल वाली गली निवासी हरीशचंद्र शर्मा ने पुलिस को बताया कि उनकी जमीन अहबाबनगर, अहमदपुर कड़च्छ ज्वालापुर में है। उन्होंने किराये पर देने के लिए वहां दस कमरे बनवाए हुए हैं। इनमें से दो कमरों में काफी समय से किरायेदार रह रहे थे। आरोप है कि 27 फरवरी की दोपहर में भूपेंद्र अपने 15-20 साथियों के साथ मौके पर पहुंचा और दोनों कमरों का ताला तोड़ किरायेदार का सामान बाहर फेंककर कब्जा कर लिया।

महाकुंभ से पहले सुसवा नदी को प्रदूषण मुक्त करने की उठी मांग

ऋषिकेश(संवाददाता)। मां गंगा को स्वच्छ बनाओ अभियान के तहत जन जागरूकता रैली निकाली गई। जिसके जरिए ग्रामीणों और युवाओं ने श्सुसवा नदी बचाओ का नारा बुलंद करते हुए सरकार से नदी के शुद्धिकरण की मांग की। मंगलवार को ग्राम पंचायत सिमलास ग्रांट में कोशल्या बोरा फाउंडेशन और डीबीएस स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने संयुक्त रूप से जागरूकता रैली निकाली। संस्था अध्यक्ष एवं ग्राम प्रधान सुषमा बोरा ने कहा कि वर्ष 2027 के शुरुआती महीनों में हरिद्वार में महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। कहा कि वर्तमान में देहरादून का सीवरेज सीधे सुसवा नदी में और वहां से गंगा में प्रवाहित हो रहा है। यह करोड़ों हिंदुओं की आस्था के साथ सीधा खिलवाड़ है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि महाकुंभ से पहले सीवरेज को गंगा में जाने से नहीं रोका गया, तो सामाजिक संस्थाएं उग्र ध रना-प्रदर्शन को मजबूर होंगी। पूर्व प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार ने कहा कि सुसवा नदी के दूषित पानी के कारण क्षेत्र में कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता उमेद बोरा ने कहा कि यह क्षेत्र कभी जैविक खेती का केंद्र था, लेकिन जहरीले पानी ने उपजाऊ भूमि और फसलों को बर्बाद कर दिया है। कहा कि राजाजी टाइगर रिजर्व से सटे होने के कारण सुसवा नदी के इस दूषित पानी को पीने के लिए जंगली जानवर भी मजबूर हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र को भारी नुकसान पहुंच रहा है। मौके पर किशन सिंह, तूली देवी, विजय पाल सिंह, राधा देवी, हेमंत, गौरव कुमार, संगीता, अंकित, शिवानी, कशिश, महक आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

खस्ताहाल हुई नैनबाग-पंतवाड़ी-थात सड़क .... धूप में धूल तो बारिश में कीचड़

नई टिहरी(संवाददाता)। पंतवाड़ी-थात सड़क का सुधारीकरण और डामरीकरण कार्य न होने से पर्यटकों व स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क कच्ची होने से वहां आवाजाही करने पर्यटकों के साथ स्थानीय लोगों को धूप में धूल व बारिश के दिनों कीचड़ से जूझना पड़ता है। नैनबाग-पंतवाड़ी-थात सड़क 13 किलोमीटर का निर्माण वर्ष 2001-2002 में हुआ था। सड़क प्रसिद्ध पर्यटक स्थल नागटिब्बा के साथ बिनाऊ, पवेत, टंटाड सहित कई गांवों को जोड़ती है। जौनपुर ब्लॉक प्रधान संगठन के अध्यक्ष प्रदीप कवि, सामाजिक कार्यकर्ता सोबन दास, पूर्व प्रधान गंभीर सिंह रावत का कहना कि नागटिब्बा पर्यटक स्थल हर वर्ष हजारों की संख्या में देश और विदेश से पर्यटक ट्रैकिंग के लिए आते हैं लेकिन सड़क के खस्ताहाल होने से लोगों को आवाजाही में भारी परेशानियों उठानी पड़ती है।नागटिब्बा पर्यटक स्थल में पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पर्यटकों के रुकने के लिए स्थानीय लोगों ने अपनी भूमि पर जगह-जगह होमस्टे और टेंट कालोनी बनाई हैं। सड़क की स्थिति खराब होने के कारण लोगों को जरूरत का सामान पीठ और सिर पर रखकर ढोना पड़ता है। बताया ऊपरी क्षेत्र में पंतवाड़ी, बिनाऊ, पवेत, टंटाड, कांडासारी सहित कई अन्य ग्रामीणों की छानियां, बगीचे और उपजाऊ खेत हैं,जहां पर ग्रामीण बागवानी और नकदी फसलों का उत्पादन करते हैं।फल और सब्जियों को बेचने के लिए विकासनगर ले जाते हैं। बरसात में सड़क बाधित होने के दौरान ग्रामीणों को अपने उत्पादों को मुख्य सड़क तक पहुंचाने के लिए खोड़े-खच्चरों का सहारा लेना पड़ता है। सड़क संकरी और साथ खस्ताहाल बनी होने के कारण पर्यटकों और स्थानीय लोगों को जान जोखिम में सफर करना पड़ता है। स्थानीय लोगों कई वर्षों से सड़क सुधारीकरण और डामरीकरण की मांग करते आ रहे है लेकिन विभागीय अधिकारी सड़क के सुधारीकरण के लिए बजट न होने की बात कहकर अपना पल्ला झाड़ देते हैं। पंतवाड़ी-थात-नागटिब्बा को जोड़ने वाली सड़क को लोनिवि से पीएमजीएसवाई को स्थानांतरण की प्रक्रिया गतिमान है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद सड़क सुधारीकरण और डामरीकरण का कार्य पीएमजीएसवाई ही करेगा।

लंबे इंतजार के बाद नरेंद्रनगर अस्पताल में शुरू हुई आंखों की सर्जरी

नई टिहरी(संवाददाता)। श्रीदेव सुमन राजकीय उप जिला चिकित्सालय में एक बार फिर आंखों के ऑपरेशन शुरू हो गए हैं। अस्पताल में नेत्र रोग विशेषज्ञ के कार्यभार संभालने के बाद मरीजों को राहत मिलने लगी है। लंबे समय से आंखों की सर्जरी की सुविधा बंद होने के कारण क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए ऋषिकेश, देहरादून का रुख करना पड़ रहा था। स्थानीय लोगों की मांग और समस्या को देखते हुए सीएमओ डॉ. श्याम विजय सिंह ने नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. तन्वी जोशी की तैनाती की व्यवस्था की। अस्पताल में कार्यभार संभालने के बाद डॉ. तन्वी जोशी ने तीन मरीजों की आंखों का सफल ऑपरेशन किया। इनमें ध आंधार निवासी 65 वर्षीय सुशीला देवी, गुजराड़ा निवासी 48 वर्षीय सुरेंद्र सिंह और चंबा ब्लॉक के कोट गांव निवासी बैसाखी देवी शामिल

व्यापार मंडल और नागरिक मंच ने बांध प्रभावितों के धरने को दिया समर्थन

- निशुल्क बिजली-पानी की मांग को लेकर बांध प्रभावित और विस्थापितों का धरना जारी

नई टिहरी(संवाददाता)। बांध विस्थापित और प्रभावितों को निशुल्क बिजली-पानी देने की मांग को लेकर चल रहे धरने को उद्योग व्यापार मंडल घनसाली और वरिष्ठ नागरिक मंच चमियाला के लोगों ने धरना स्थल पर पहुंचकर समर्थन दिया। बौराड़ी के गणेश चौक में सामाजिक कार्यकर्ता सागर भंडारी की अगुवाई में संचालित बांध विस्थापित और प्रभावितों का धरना 11वें दिन भी जारी रहा। घनसाली व्यापार मंडल अध्यक्ष स्नेह कैलाश बडोनी ने कहा कि बांध के कारण टिहरी शहर के साथ सैकड़ों गांव बांध की झील में डूबे हैं। भिलंगना क्षेत्र का बड़ा हिस्सा बांध के कारण प्रभावित हुआ। बांध के कारण घनसाली क्षेत्र की दूरी और बढ़ी है। उन्होंने कहा कि बांध विस्थापितों के साथ प्रभावित क्षेत्र के लोगों को निशुल्क बिजली पानी दिया जाना चाहिए, यह उनका अधिकार है। बांध से मिलने वाली रॉयल्टी को बांध प्रभावित क्षेत्रों के साथ टिहरी जिले की मूलभूत सुविधाओं पर खर्च किया जाना चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता भंडारी ने कहा कि बांध विस्थापित और प्रभावित लोग गत 11 दिनों से अपने हक को लेकर आंदोलन पर हैं लेकिन शासन-प्रशासन उनकी सुध नहीं ले रहा है। उन्होंने कहा कि शीघ्र उनकी मांगों को नहीं सुना गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस मौके पर घनसाली व्यापार मंडल सचिव चतर सिंह रमोला, चंद सिंह पोखरियाल, उम्मेद सिंह चौहान, आनंद व्यास, हुकम सिंह रावत, भरत सिंह नेगी, रोशन लाल जोशी, विनोद शाह, सुनीता रावत, हर्षमणि उनियाल, अजय पंवार, विकास पंवार आदि मौजूद थे।

ज्योतिर्मठ में झमाझम बारिश व ओलावृष्टि

चमोली(संवाददाता)। चमोली जनपद में मंगलवार को मौसम ने करवट बदली और दोपहर बाद ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश हुई। कुछ जगहों पर ओलावृष्टि भी हुई जिससे मौसम में ठंडक आ गई है। जनपद के निचले क्षेत्रों में आसमान में बादल छाए रहे और ठंडी हवाएं चलीं। विगत कई दिनों से बारिश न होने के कारण तापमान में बढ़ोतरी होने से गरमी का एहसास होने लगा था। मंगलवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। ज्योतिर्मठ क्षेत्र में दोपहर बाद बारिश हुई। औली और परसारी में करीब पंद्रह मिनट तक ओलावृष्टि भी हुई जबकि निचले क्षेत्रों में आसमान में बादल छाए रहे। बारिश होने पर काश्तकारों ने राहत की सांस ली। यह बारिश जौ, गेहूं और मटर की फसलों के लिए फायदेमंद होगी। इधर नंदानगर, गोपेश्वर, पीपलकोटी, पोखरी क्षेत्र में आसमान में बादल छाए रहे।बदरीनाथ धाम की चोटियों और हेमकुंड में हुई बर्फबारी : मंगलवार को दोपहर बाद बदरीनाथ धाम की ऊंची चोटियों के साथ ही हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी, नंदा घुंघटी, नीती और माणा घाटी के गांवों में हल्की बर्फबारी हुई। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में देर शाम तक भी मौसम खराब रहा जिससे देर रात को फिर बर्फबारी की संभावना है।बदलता रहा मौसम: कर्णप्रयाग। मंगलवार को दिनभर मौसम बदलता रहा। सुबह होते ही आसमान में हल्के बादल छाए रहे लेकिन दोपहर में धूप खिल गई। अपराह्न तीन बजे के बाद फिर मौसम ने करवट बदली और बादल छा गए। ऐसे में लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की ठंडी हवाएं भी चलीं।

राम पर्वत पर लगी आग तीन दिन बाद बुझी

चमोली(संवाददाता)। नगर के पास राम पर्वत पर तीन दिन से लगी आग को वन विभाग की टीम ने बुझा दिया है। हालांकि प्रभावित क्षेत्र में अभी तक धुआं उठ रहा है। आग से राम पर्वत का अधिकांश हिस्सा जल चुका है और पूरी पहाड़ी काली नजर आ रही है। शनिवार देर रात को पीपलकोटी के ठीक सामने राम पर्वत पर किसी अराजक तत्व ने आग लगा दी। रात होने के कारण वन कर्मी मौके पर नहीं पहुंच पाए। उसके बाद रविवार तक आग पहाड़ी के बड़े हिस्से में फैल गई। देर शाम जंगल की आग सीआईएसएफ के कार्यालय और एचसीसी कंपनी के अस्त्र-शस्त्र रखने के भंडार (एमुनेशन भंडार) के पास पहुंच गई थी। इससे वहां अफरा तफरी की स्थिति हो गई। गोपेश्वर से अग्निशमन की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग को कार्यालय व भंडार तक आने से रोक दिया।

बेलेश्वर में उप जिला चिकित्सालय खोलने के लिए करेंगे आंदोलन

नई टिहरी(संवाददाता)। भिलंगना ब्लॉक के बेलेश्वर मंदिर में आयोजित बालगंगा वरिष्ठ नागरिक समिति की बैठक में उप जिला अस्पताल को लेकर चर्चा की गई। समिति के अध्यक्ष चंदन सिंह पोखरियाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उप जिला अस्पताल की मांग को लेकर आगामी 16 मार्च को महापंचायत आयोजित करने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि महापंचायत में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ ही आम जनता को अधिक से अधिक संख्या में आमंत्रित किया जाना चाहिए। तय किया गया कि महापंचायत में क्षेत्रीय विधायक को भी आमंत्रित किया जाएगा। समिति के सचिव उम्मेद सिंह चौहान ने कहा कि 16 मार्च को महापंचायत में आंदोलन की अग्रिम रणनीति पर भी विचार विमर्श किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि सीएचसी बेलेश्वर उप जिला अस्पताल के सभी मानक पूरे करता है इसलिए मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप शीघ्र ही उप जिला अस्पताल का जीओ जारी कर बेलेश्वर में उप जिला चिकित्सालय स्तर की सेवाएं शुरू की जानी चाहिए। इस मौके पर हुकम सिंह रावत, आनंद प्रसाद व्यास, विश्वेश्वर प्रसाद जोशी, इंद्र सिंह रावत, रोशन लाल जोशी, धर्म सिंह बिष्ट, भरत सिंह नेगी, केदार सिंह रौतेला, हर्षमणि उनियाल, देवेंद्र प्रसाद जोशी और विनोद लाल आदि मौजूद थे।

वीसी वीर गबर सिंह नेगी को किया याद, सेना ने दी शस्त्र सलामी

नई टिहरी(संवाददाता)। प्रथम विश्व युद्ध के नायक और विक्टोरिया क्रॉस विजेता वीर गबर सिंह नेगी के शहादत दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर गढ़वाल राइफल के जवानों, पूर्व सैनिकों, व्यापार मंडल और विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने युद्ध स्मारक पर पहुंचकर वीर सैनिक के शौर्य और बलिदान को याद किया।

कार्यक्रम के दौरान सेना की ओर से युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर गबर सिंह नेगी को सलामी दी गई। द्वितीय गढ़वाल राइफल से आए सूबेदार राजेंद्र सिंह गुसाईं के नेतृत्व में सैन्य टुकड़ी ने शस्त्र सलामी देते हुए भारत माता की जय के जयकारे लगाए। इस दौरान उपस्थित लोगों ने देश की रक्षा में उनके अद्वितीय साहस और बलिदान को नमन किया। पूर्व सैनिक संगठन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि गबर सिंह नेगी का पराक्रम भारतीय सेना के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। संगठन के संरक्षक देव सिंह पुंडीर ने कहा कि विक्टोरिया क्रॉस विजेता गबर सिंह नेगी जैसे वीरों के कारण देश का सिर गर्व से ऊंचा रहता है। उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति और कर्तव्य के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता रहेगा।संगठन के अध्यक्ष संजय रावत ने कहा कि युवा पीढ़ी को गबर सिंह नेगी के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र सेवा के लिए आगे आना चाहिए। इस मौके पर पूर्व सैनिक कृष्णा प्रसाद ममगाई, शंकर कोठारी, कैप्टन आनंद सिंह नेगी, इंद्र सिंह नेगी मौजूद रहे।

निराश्रित गोवंश के कारण लग रहा जाम

चमोली(संवाददाता)। नगर क्षेत्र में निराश्रित पशु आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बने हैं। सड़कों के किनारे पशु लेटे रहते हैं जिससे वाहनों का जाम भी लग रहा है। गोपेश्वर के समीप गोसदन होने के बाद भी यह स्थिति बनी हुई है। चारधाम यात्रा के दौरान ये गोवंश सुचारु यातायात में भी परेशानी खड़ी करते हैं। चमोली-गोपेश्वर-ऊखीमठ हाईवे पर पुलिस लाइन के समीप दिनभर गोवंश लेटे रहते हैं। इसके अलावा जीरो बेंड, लीसा फैक्ट्री बैंड, मुख्य बाजार में भी यही स्थिति बनी रहती है। कोठियालसैंण में पशुपालन विभाग की ओर से गोसदन का संचालन किया जाता है इसके बावजूद जगह-जगह गोवंश घूम रहे हैं। बदरीनाथ हाईवे पर भी यही स्थिति है। चमोली बाजार, बिरही, पीपलकोटी क्षेत्र में भी गोवंश सुचारु यातायात में व्यवधान पैदा कर देते हैं। लोगों ने इन गोवंश को गोसदन में भेजने की मांग की।

सीआईएसएफ ने मनाया 57वां स्थापना दिवस

चमोली(संवाददाता)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने मंगलवार को 57वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया। सीआईएसएफ के कमांडेंट विश्वनाथ आवुटी ने बल के इतिहास पर प्रकाश डाला। सीआईएसएफ का स्थापना दिवस विष्णुगाड पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना क्षेत्र पीपलकोटी में मनाया गया। टीएचडीसी के मुख्य महाप्रबंध क अजय वर्मा को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। यूनिट कमांडर डिप्टी कमांडेंट विश्वनाथ आवुटी ने कहा कि देश भर में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और राष्ट्रीय संपत्तियों की सुरक्षा में सीआईएसएफ का गौरवशाली इतिहास रहा है। बल ने महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों, सरकारी भवनों, औद्योगिक इकाइयों की सुरक्षा में लगातार व्यावसायिकता, साहस और समर्पण का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कर्तव्यों के प्रति उत्कृष्ट प्रदर्शन और समर्पण भाव दिखाने वाले कर्मियों की भी सराहना की।

हिन्दी दैनिक जोखिम

मुख्यमंत्री ने भराड़ीसैंण में अग्निवीर कैडेट्स से किया संवाद

- अग्निवीरों के भविष्य की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री

- वर्दीधारी पदों में अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था

- सैनिकों के अनुशासन और समर्पण से प्रेरणा लेकर जनता की सेवा कर रहा हूँ : मुख्यमंत्री

चमोली(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को भराड़ीसैंण में अग्निवीर सैनिकों के रूप में भर्ती होने वाले कैडेट्स के साथ संवाद किया। संवाद के दौरान कैडेट्स ने मुख्यमंत्री से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका मुख्यमंत्री ने सहजता से उत्तर दिया। संवाद के दौरान शंकर सिंह राणा ने मुख्यमंत्री से पूछा कि सैनिक पुत्र होने के कारण आपने सैनिकों के जीवन और गतिविधियों को नजदीक से देखा है, क्या आपका मन सेना में जाने का नहीं हुआ? इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना में जाना अन्य सेवाओं की अपेक्षा अत्यंत सम्माननीय माना जाता है। उन्होंने कहा कि वे अपने जीवन को भी एक सैनिक के जीवन की तरह अनुशासित और समर्पित मानकर कार्य करते हैं।

उन्होंने कहा कि अपने पिताजी के साथ रहते हुए उन्होंने सेना के अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को करीब से देखा है। जिस प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ हमारे सैनिक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं, उसी भावना से वे प्रदेश के मुख्य सेवक के रूप में उत्तराखण्ड की देवतुल्य जनता की सेवा करने का प्रयास करते हैं।हिमांशु रौतेला ने प्रश्न किया कि प्रदेश के मुखिया होने के नाते आप अपने परिवार को कैसे समय दे पाते हैं? इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कोई व्यक्ति राजनीतिक और सामाजिक जीवन में सक्रिय होता है तो उसकी जिम्मेदारियां बहुत बढ़ जाती हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्य सेवक के रूप में प्रदेश के सभी लोग उनका परिवार हैं और सभी गांव उनके अपने गांव हैं।ओ.पी. कण्डारी ने पूछा कि जब हम अग्निवीर के रूप में अपनी सेवा पूरी कर वापस आएंगे, उसके बाद सरकार हमारे रोजगार के लिए क्या व्यवस्था कर रही है? मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्दीधारी पदों पर अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था की है। इसके अतिरिक्त केन्द्र सरकार द्वारा भी अनेक क्षेत्रों में अग्निवीरों को अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर अग्निवीर के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।रितेश पंवार ने मुख्यमंत्री से पूछा कि आपकी पहचान "धाकड़ धामी" के रूप में क्यों बनी? मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि का व्यवहार जनता के साथ सदैव सौम्य होना चाहिए। हालांकि राज्यहित और जनहित में कई बार कठोर और साहसिक निर्णय लेने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना है। प्रदेश में सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है तथा दंगा रोधी कानून भी लागू किया गया है। पिछले चार वर्षों में राज्य सरकार ने जन अपेक्षाओं और प्रदेशहित में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। अमन सेमवाल ने पूछा कि आपके चेहरे पर हमेशा मुस्कान का क्या राज है? मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें कार्य करने की ऊर्जा और प्रेरणा प्रदेश की जनता के आशीर्वाद से मिलती है।

धामी सरकार के चार साल में बने 819 पंचायत भवन

- प्रदेश में सात हजार किमी से अधिक सड़कें हुईं गड्ढा मुक्त

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दूसरे कार्यकाल के बीते चार साल में प्रदेश में 819 पंचायत भवनों का निर्माण पुनर्निर्माण किया गया है। प्रदेश में पंचायत भवनों की संख्या 5867 है। इसमें से 1134 पंचायत भवन लंबे समय से जीर्णशीर्ण चल रहे थे। इसी क्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंचायतीराज विभाग को अभियान चलाकर जीर्ण- शीर्ण भवनों का पुनर्निर्माण करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद गत चार वर्ष में विभाग ने 819 पंचायत भवनों का निर्माण- पुनर्निर्माण कर लिया है। शेष भवनों पर भी कार्य किया जा रहा है। मंगलवार को विभागीय मंत्री सतपाल महाराज ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी सदन के सामने रखी। 7 हजार किमी से अधिक सड़कें गड्ढा मुक्त: प्रदेश में लोकनिर्माण विभाग नवंबर के प्रथम सप्ताह तक सात हजार से अधिक किमी सडकों को गड्ढा मुक्त कर चुका है। सदन में विभाग की ओर से प्रस्तुत जानकारी के अनुसार प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सख्त निर्देशों के क्रम में विभाग ने वर्ष 2025-26 में मानसून काल से पूर्व 3134 किमी लंबी सड़कों को गड्ढा मुक्त किया। जबकि मानसून के बाद 10 नवंबर 2025 तक 4149.17 किमी लंबी सड़कों को गड्ढा मुक्त किया। इस दौरान अकेले हरिद्वार जनपद में 313 किमी से अधिक लंबी सड़कों को गड्ढामुक्त किया गया।रोपवे परियोजनाओं पर काम तेज : प्रदेश में विभिन्न तीर्थ स्थलों को रोपवे से जोड़ने की प्रक्रिया गतिमान है। पर्यटन मंत्री ने मंगलवार को विधानसभा में बताया कि विभाग ने कद्दूखाल से सुरकंडा देवी मंदिर के लिए पीपीपी मोड़ में रोपवे का संचालन शुरु कर दिया है। इसके अलावा जनपद चम्पावत में ठुलीगाड़ से पूर्णागिरी रोपवे भी पीपीपी मोड में निर्माणाधीन है। साथ ही जनपद उत्तरकाशी में जानकी चट्टी से यमुनोत्री मंदिर तक के लिए भी रोपवे पीपीपी मोड में विकसित किया जा रहा है। साथ ही साथ गौरीकुंड से केदारनाथ धाम, गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब के लिए भी रोपवे निर्माण की प्रक्रिया गतिमान है।

संक्षिप्त समाचार...

तिब्बती राष्ट्रीय विद्रोह दिवस पर निकाला मार्च

देहरादून(संवाददाता)। तिब्बती समुदाय ने मंगलवार को तिब्बती राष्ट्रीय विद्रोह दिवस की 67वीं वर्षगांठ मनाई। इस अवसर पर तिब्बती समुदाय के लोगों ने परेड ग्राउंड से मार्च निकाला। जिसमें तिब्बत में मानवाधिकारों की स्थिति और सांस्कृतिक पहचान पर बढ़ते दबाव को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित किया गया। इस दौरान कहा गया कि तिब्बत में संचालित कथित "औपनिवेशिक बोर्डिंग स्कूलों" के कारण तिब्बती बच्चों को उनकी मातृभाषा, संस्कृति और धर्म से दूर किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की गई कि वह इस मुद्दे पर चीन पर दबाव बनाए। साथ ही धार्मिक स्वतंत्रता का मुद्दा भी उठाते हुए पंचेन लामा की सुरक्षित रिहाई की मांग दोहराई गई और तिब्बती बौद्ध धर्म में पुनर्जन्म की प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप रोकने की अपील की गई।

पीएम आवास योजना के तहत 82 लाभार्थियों को पहली किस्त जारी

देहरादून(संवाददाता)। नगर निगम ने मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) पीएमएवाई-यू 2.0 योजना में व्यक्तिगत आवास निर्माण घटक के तहत 82 लाभार्थियों को पहली किस्त जारी की। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्रत्येक लाभार्थी को 20 हजार रुपये के रूप में दी गई। निगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुल 16 लाख 40 हजार रुपये की सहायता राशि लाभार्थियों के खातों में भेजी गई। मेयर सौरभ थपलियाल ने लाभार्थियों को पहली किस्त के साथ बधाई देते हुए कहा कि जल्द ही उनका पक्का घर बनाने का सपना साकार होगा।

नहर किनारे छोड़े गए रास्ते पर हुए अतिक्रमण को लेकर मंगलवार को संयुक्त सर्वे किया

हल्द्वानी (संवाददाता)। जमरानी परियोजना का कार्य इन दिनों तेजी से चल रहा है। इसी क्रम में नहर किनारे छोड़े गए रास्ते पर हुए अतिक्रमण को लेकर मंगलवार को संयुक्त सर्वे किया गया।ग्राम प्रधान रमेश चंद्र जोशी और नंदकिशोर पठालनी ने पूर्व में सिंचाई विभाग जमरानी को ज्ञापन देकर बताया था कि जब जमरानी नहर का निर्माण हुआ था, तब नहर के किनारे लगभग 10 फीट चौड़ा रास्ता छोड़ा गया था, जो हल्द्वानी से मोतीनगर तक जाता है, लेकिन आगे यह मार्ग बंद कर दिया गया है।क्षेत्रीय प्रतिनिधियों ने भी इस मामले में नाराजगी जताते हुए आरोप लगाया था कि मोतीनगर से लालकुआं की ओर जमरानी नहर के किनारे बने रास्ते को कुछ उद्योगों द्वारा अतिक्रमण कर बंद कर दिया गया है।शिकायत के आधार पर मंगलवार को मौके पर संयुक्त सर्वे किया गया। सर्वे के दौरान ग्राम प्रधान रमेश चंद्र जोशी, जमरानी परियोजना के महाप्रबंधक महेश कुमार खरे, उप महाप्रबंधक ललित कुमार, परियोजना प्रबंधक शाहनवाज, सहायक परियोजना प्रबंधक संजय तिवारी, क्षेत्रीय अभियंता चिरंजी लाल तथा कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहे।महाप्रबंधक महेश कुमार खरे ने बताया कि अतिक्रमण करने वालों को शीघ्र नोटिस जारी किया जाएगा। नोटिस के बाद भी यदि अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो विभाग अपने संसाधनों से कब्जा हटाएगा और उसका खर्च व जुर्माना अतिक्रमणकर्ताओं से वसूला जाएगा।

पूर्ति विभाग ने स्थिति स्पष्ट करते हुए लोगों से भ्रम से बचने की अपील की

हल्द्वानी (संवाददाता)। रसोई गैस की किल्लत को लेकर क्षेत्र में फैल रही अफवाहों पर पूर्ति विभाग ने स्थिति स्पष्ट करते हुए लोगों से भ्रम से बचने की अपील की है। पूर्ति अधिकारी मोहित कठायत ने कहा कि गैस की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है।उन्होंने बताया कि भारत सरकार के निर्देशानुसार अब गैस सिलेंडर की बुकिंग 25 दिन के अंतराल में की जा रही है, जिसे लेकर कुछ लोग गलतफहमी फैला रहे हैं। इसी कारण लोगों में यह भ्रम पैदा हो रहा है कि गैस की किल्लत हो गई है, जबकि वास्तविकता में गैस की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है।मोहित कठायत ने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर इस मामले को तूल देकर पैनिक का माहौल बना रहे हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और बिना वजह गैस को लेकर चिंता न करें।उन्होंने भरोसा दिलाया कि विभाग लगातार आपूर्ति व्यवस्था पर नजर बनाए हुए है और उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति सुचारु रूप से मिलती रहेगी। साथ ही लोगों से जिम्मेदारी के साथ जानकारी साझा करने और भ्रामक बातों से दूर रहने की भी अपील की गई है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

रोड चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया

हल्द्वानी (संवाददाता)। जिलाधिकारी के निर्देश के बाद सोमवार को सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेई व नगर आयुक्त परितोष वर्मा के नेतृत्व में संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ देर शाम काठगोदाम नरीमन चौराहे से गौला पुल तक चल रहे गतिमान रोड चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी की गई। निरीक्षण के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेई ने बताया कि यह मार्ग चौड़ीकरण कार्य लोक निर्माण विभाग के निर्माण खंड हल्द्वानी द्वारा किया जा रहा है, जिसके लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने धनराशि उपलब्ध कराई है। इस कार्य में आने वाले विद्युत पोलों की शिफ्टिंग के लिए उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड यूपीसीएल को पहले ही धनराशि स्थानांतरित कर दी गई है। अधिशासी अभियंता यूपीसीएल को निर्देशित किया गया कि कल से पोल शिफ्टिंग के लिए नए पोलों की स्थापना शुरू कर दी जाए, और इसके बाद शटडाउन लेकर लाइन शिफ्टिंग भी पूर्ण की जाए। उन्होंने बताया

कि मार्ग के बायीं ओर जल निगम द्वारा सीवर लाइन बिछाने का कार्य जारी है, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य 20 मार्च तक पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। सीवर लाइन के लिए पिट बनाए जाने के स्थानों का चिन्हीकरण कल तक लोक निर्माण विभाग के साथ किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, मार्ग चौड़ीकरण में जमरानी खंड के एक अस्थाई निर्मित डॉम को भी हटाना है। परियोजना प्रबंधक जमरानी खंड को 20 मार्च तक इसे डिस्मेंटल कर हटाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया मार्ग चौड़ीकरण के दाहिनी ओर आने वाली अन्य बाधाओं को भी 25 मार्च तक हटाया जाएगा। इसके बाद मार्च माह के अंतिम सप्ताह से सड़क निर्माण, लेबलिंग और ग्रेडिंग का कार्य शुरू किया जाएगा, और अप्रैल तक सड़क का डामरीकरण और अन्य निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश अधिशासी अभियंता निर्माण खंड हल्द्वानी को दिए गए हैं। सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेई ने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य आगामी पर्यटक सीजन में स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों को बेहतर मार्ग की सुविधा देना है। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता जल निगम एके कटारिया, लोक निर्माण विभाग, पावर कॉरपोरेशन, जमरानी खंड और जल निगम के कई अधिकारी मौजूद रहे।

तकमीले ए कुरान का जश्न मनाया गया

रामनगर (संवाददाता)। मोहल्ला खताड़ी स्थित दरगाह अब्दुल्लाह शाह बाबा में तकमीले ए कुरान का जश्न मनाया गया। उसमे दो हाफिज मौहम्मद फैज और मौहम्मद रिहान दोनों ने कुरान ए पाक सुनाया 10 दिन में हाफिज मोहम्मद रिहान ने कुरआने पाक सुनाया और मोहम्मद फैज ने कुरआने पाक सुना अगले 10 दिन एक हाफिज ने सुनाया और दूसरे हाफिज ने सुना इस तरह पूरे 20 दिन में तरावीह पढ़ी गयी। जश्ने के मौके पर शहर काजी गुलाम मुस्तफा नईमी ने अमन चौन, देश मे भाईचारा तरक्की और खुशहाली के लिए दुआ की मांगी गई।इस दौरान ईदगाह कमेटी के सदर बाबर खान,सचिव शमीम अहमद ,शाहीदुल खान,सामाजिक कार्यकर्ता आफताब आलम,शीतल जल सेवा के संस्थापक यूसुफ,सभासद सलमान सलमानी,मोहम्मद कय्यूम ,मेहताब अली आदि मौजूद रहें।

युवा आकांशा कार्यक्रम का आयोजन किया

रामनगर (संवाददाता)। ज्येष्ठ उप ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी ने कहा कि उनके द्वारा बुधवार को प्रगतिशील सांस्कृतिक परिषद पैठ पड़ाव रामनगर में युवा आकांशा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य राजनीति में दिलचस्पी रखने वाले युवाओं को भविष्य की राजनीति में आगे बढ़ने के लिए मंथन किया जायेगा।युवा साथी इस मंच पर अपनी राय व सुझाव दे सकते है।साथ ही उन्होंने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत अपना युवा दौर की राजनीति का उल्लेख करते हुए सभी युवाओं से संवाद करेंगेकार्यक्रम में आम युवाओं के साथ विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रसंघ पदाधिकारी,पूर्व छात्रसंघ पदाधिकारी,छात्र नेता,राजनीति में सक्रिय युवा नेता और युवा पंचयात प्रतिनिधि प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने सभी युवा नेताओं से अपील की है कि वह इस कार्यक्रम में पहुँचकर कार्यक्रम को सफल बनायें जाने की अपील की है।

कोसी नदी क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया

रामनगर (संवाददाता)। तराई पश्चिमी वन प्रभाग रामनगर डीएफओ प्रकाश चंद्र आर्य के निर्देशन, एसडीओ किरण शाह व रेंजर सुरक्षा बल के नेतृत्व में वन सुरक्षा बल और रामनगर रेंज की टीम ने कोसी नदी क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया गया। एसडीओ किरण शाह ने बताया कि इस दौरान अभियान में लंबी घाट से एक डंपर को अवैध खनन करते पकड़ा,राजकीय वाहन की रेकी करते एक फील्डर की बाइक और बंजारी बंद क्षेत्र से दो डंपरों को अवैध खनन करते पकड़ा, 01 डंपर व 01 बाइक को गुलजारपुर चौकी परिसर में व 02 डंपरों को कटिया पुल चौकी परिसर में सुरक्षित खडा किया गया। उन्होंने बताया कि कालु सिद्ध क्षेत्र से एक डंपर को अवैध खनन करते पकड़ा जिसे पापड़ी चौकी में खड़ा किया गया। साथ ही अवैध खनन कर रहे चार ट्रॉलियों को छोड़कर आरोपी भाग गए उनके टायरों को बष्ट कर दिया गया। उन्होंने बताया कि कुल 04 डंपर व 01 फील्डर की बाइक को पकड़ा है। बताया कि अवैध खनन के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। इस दौरान टीम में वीरेंद्र परिहार,अजमत खान मनमोहन सिंह,अजय कुमार, तेजपाल, गंगा सिंह,आमिर खान,मनोज तिवारी, सुंदर आदि मौजूद रहें।

बेस चिकित्सालय में तीमारदारों के लिए व्यवस्था नहीं; पार्षदों, रेडक्रॉस ने जताई नाराजगी

अल्मोड़ा(संवाददाता)। मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा स्थित बेस चिकित्सालय में मरीजों के साथ आए तीमारदारों के लिए मूलभूत सुविधाओं के अभाव का मामला सामने आया है। अस्पताल में तीमारदारों को रात में जमीन पर सोने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिस पर जनप्रतिनिधियों ने नाराजगी जताई। बताया गया कि विगत रात नगर क्षेत्र के पार्षद अमित साह मोनू, अर्जुन सिंह बिष्ट, अभिषेक जोशी और रेडक्रॉस सोसाइटी के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज सनवाल ने अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि कई मरीजों के तीमारदार वार्डों के बाहर और गलियारों में जमीन पर सोने को मजबूर हैं। अस्पताल में उनके बैठने या सोने की कोई समुचित व्यवस्था नहीं पाई गई। जनप्रतिनिधियों ने इस स्थिति को गंभीर बताते हुए कहा कि दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोग अपने मरीजों के साथ कई दिनों तक अस्पताल में रहते हैं, लेकिन उनके लिए बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अस्पतालों में व्यवस्थाएं बेहतर करने का प्रयास कर रही है, लेकिन मेडिकल कॉलेज प्रशासन की लापरवाही के कारण मरीजों के परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि तीमारदारों के लिए कम से कम बैठने और सोने की व्यवस्था होना जरूरी है। जब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक सामाजिक स्तर पर ही मदद करनी पड़ेगी। इसी क्रम में पार्षदों और रेडक्रॉस के प्रदेश उपाध्यक्ष ने अपने स्तर पर मरीजों के तीमारदारों के लिए एक दर्जन गद्दे खरीदकर अस्पताल को उपलब्ध कराए। गद्दे मिलने के बाद तीमारदारों ने राहत जताते हुए जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने अस्पताल प्रशासन से तीमारदारों के लिए स्थायी व्यवस्था करने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो इस मुद्दे को और मजबूती से उठाया जाएगा। मौके पर रेडक्रॉस के प्रांतीय उपाध्यक्ष मनोज सनवाल, पार्षद अमित साह मोनू, पार्षद अर्जुन सिंह बिष्ट, पार्षद अभिषेक जोशी, कृष्ण बहादुर सिंह, सरपंच अशोक सिंह, भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित मोर्चा जिला अध्यक्ष त्रिलोक राम, नगर अध्यक्ष भाजपा अनुसूचित मोर्चा सुधीर कुमार, ललित खोलिया और अभय बोरा मौजूद रहे।

दोस्तों संग कोसी नदी में नहाने उतरा युवक, गहरे पानी में डूबने से मौत

अल्मोड़ा(संवाददाता)। सोमेश्वर क्षेत्र के रनमन के पास कोसी नदी में नहाने के दौरान एक युवक गहरे पानी में डूब गया। स्थानीय लोगों ने युवक को नदी से बाहर निकालकर निजी वाहन से अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। मृतक की पहचान गोकुल नेगी (20) पुत्र हेम सिंह, निवासी ग्राम उटिया थाना धौलछीना के रूप में हुई है। बताया गया है कि वह बीएसएनएल में फाइबर लाइन बिछाने का काम करता था। मंगलवार को वह अपने तीन अन्य साथियों के साथ रनमन के पास कोसी नदी में नहाने गया था। बताया जा रहा है कि गोकुल नदी में नहाते समय गहरे पानी की ओर चला गया, जबकि उसके अन्य तीन साथी तैरना नहीं जानते थे और नदी किनारे ही नहा रहे थे। इसी दौरान गोकुल अचानक गहरे पानी में डूबने लगा। साथियों ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी प्रयासों के बाद युवक को नदी के गहरे पानी से बाहर निकाला। इसके बाद उसे निजी वाहन से नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि यदि साथियों को तैरना आता तो संभवत: युवक को बचाया जा सकता था, लेकिन जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचे तब तक काफी देर हो चुकी थी।

हिन्दी दैनिक जोखिम

रीना रॉय : पर्दे की पहली नागिन ने जब चुराया लोगों का दिल, हर रोल में दिखीं बेहद खास

बॉलीवुड की दुनिया में कई कलाकार हैं, लेकिन कुछ ही ऐसे होते हैं जो हर तरह के किरदार को इतनी मजबूती से निभाते हैं कि दर्शक उन्हें हमेशा याद रखें। रीना रॉय भी उन्हीं में से एक हैं। चाहे कोई रोल नेगेटिव हो या पॉजिटिव, उनकी परफॉर्मेंस में हमेशा आत्मविश्वास देखने को मिलता है। 1970 और 1980 के दशक में उन्होंने जिस तरह से फिल्मों में खुद को साबित किया, वह आज भी दर्शकों के दिलों में जिंदा है। उनकी खूबसूरती और अभिनय क्षमता ने उन्हें सिर्फ हिट फिल्मों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने हर किरदार से अपनी छाप छोड़ी। रीना रॉय का जन्म 7 जनवरी 1957 को मुंबई में हुआ था। उनका असली नाम सायरा अली था। उनका परिवार फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ा था। उनके पिता, सादिक अली, अभिनेता थे, और उनकी मां, शारदा रॉय, भी फिल्मों में काम करती थीं। माता-पिता के तलाक के बाद, उनका नाम बदलकर पहले रूपा रॉय और फिर फिल्म निर्माता की सलाह पर रीना रॉय रखा गया। उनकी रुचि बचपन से ही अभिनय में थी।

रीना ने 1972 में फिल्म जरूरत से अपने करियर की शुरुआत की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा सफल नहीं हुई, लेकिन रीना की परफॉर्मेंस ने दर्शकों और फिल्म निर्माताओं का ध्यान खींचा। इसके बाद उन्होंने 1973 में जैसे को तैसा और 1975 में जख्मी जैसी फिल्मों में काम किया। उन्होंने फिल्मों में नेगेटिव किरदारों के जरिए अभिनय की ताकत दिखाई।1976 में रीना के करियर का सुनहरा मोड़ आया। उन्होंने कालीचरण और नागिन जैसी फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं निभाईं। कालीचरण में उनकी केमिस्ट्री शत्रुघ्न सिन्हा के साथ पसंद की गई, जबकि नागिन में उन्होंने एक इंसान और नागिन के रूप में जटिल भूमिका निभाई। इस फिल्म ने उन्हें बॉक्स ऑफिस स्टार बना दिया। इस समय उनकी खूबसूरती के साथ-साथ किरदार निभाने की मजबूती ने दर्शकों को प्रभावित किया।

1977 में रीना ने अपनापन में काम किया और फिल्मफेयर अवॉर्ड के लिए नामांकित हुईं। इसके बाद उन्होंने 1980 में आशा, 1981 में नसीब, और 1982 में सनम तेरी कसम जैसी हिट फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाए, कभी प्यार में हारी प्रेमिका की, तो कभी संस्कारी बहू की, तो कभी साहसी महिला की, उनके किरदारों में हमेशा गहराई और मजबूती देखने को मिलती थी।रीना रॉय ने अपने करियर में कई बड़े सितारों के साथ काम किया। उन्होंने जितेंद्र के साथ कई हिट फिल्में दीं, जैसे बदलते रिश्ते, अर्पण, और आशा। उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा के साथ भी कई हिट फिल्में कीं। उनके किरदार चाहे नेगेटिव हों या पॉजिटिव, हमेशा दर्शकों के दिलों पर असर छोड़ते थे। उनके अभिनय की यही खासियत उन्हें अलग बनाती है।1983 में रीना ने अपने करियर में ब्रेक लिया और पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहसिन खान से शादी की। बाद में उनका तलाक हो गया और वे भारत लौट आईं। 1993 में उन्होंने आदमी खिलौना है में वापसी की, लेकिन उनकी पुरानी लोकप्रियता दोबारा नहीं बन सकी। इसके बाद उन्होंने कुछ और फिल्मों में सहायक भूमिका निभाई, जैसे अजय (1996), गैर (1999) और रिफ्यूजी (2000)।रीना ने फिल्मों के अलावा टीवी में भी काम किया। उन्होंने ईना मीना डीका, दाल में काला है, सहारा, और गैर जैसे टीवी शो में काम किया है।

लंबे समय बाद सेट पर लौटीं कंगना रनौत, शुरू की भारत भाग्य विधाता की शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मंडी से सांसद कंगना रनौत काफी समय से फिल्मों से दूर और राजनीति में ज्यादा सक्रिय हैं। अभिनेत्री ने शीतकालीन सत्र में कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा था, लेकिन अब काफी समय बाद कंगना वापस फिल्मी सेट पर लौटी हैं। उन्होंने शूटिंग करते हुए वीडियो पोस्ट किया है। सेट पर वापसी करने का अनुभव अभिनेत्री के लिए खुश कर देने वाला है। कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह मनोज तापड़िया के साथ दिख रही हैं। अभिनेत्री सेट पर बाकी लोगों के साथ मिलजुल रही हैं और मनोज तापड़िया उन्हें फिल्म के सीन भी समझा रहे हैं। उन्होंने वीडियो को शेयर कर लिखा, फिल्म के सेट पर वापसी कर अच्छा लग रहा है। कंगना फिल्म इमरजेंसी के बाद लंबे समय के बाद दूसरी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं, जिसका नाम है भारत भाग्य विधाता।

इमरजेंसी के रिलीज के साथ कंगना ने भारत भाग्य विधाता की अनाउंसमेंट कर दी थी, लेकिन अब तकरीबन एक साल बाद फिल्म की शूटिंग शुरू की गई है। भारत भाग्य विधाता को यूनोइया फिल्म्स की बबीता आशिवाल और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट के आदि शर्मा मिलकर प्रोड्यूस करने वाले हैं, जबकि डायरेक्ट मनोज तापड़िया करेंगे, जिन्होंने मद्रास कैफे, चीनी कम, एनएच10, और माई जैसी फिल्मों को डायरेक्ट किया है।भारत भाग्य विधाता एक देशभक्ति फिल्म है, जिसमें उन महान वीरों की कहानियों को दिखाया जाएगा, जिनके बारे में कम ही लोगों को पता है। फिल्म की कहानी वीरता और साहस की भावना से भरी होने वाली है, लेकिन फिल्म कब रिलीज होगी, इस बारे में जानकारी सामने नहीं आई है।बता दें कि अभिनेत्री की आखिरी रिलीज फिल्म इमरजेंसी सिनेमाघरों में फ्लॉप साबित हुई थी। फिल्म के रिलीज पर भी बैन लगा दिया गया था, लेकिन कुछ बदलावों के साथ फिल्म को रिलीज की अनुमति मिल गई। इमरजेंसी का निर्माण और निर्देशन दोनों ही कंगना ने किया था। इसके अलावा, फिल्म में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल भी प्ले किया था। इस फिल्म के लिए कंगना ने खूब मेहनत की थी, लेकिन फिर भी फिल्म पर्दे पर कमाल नहीं दिखा पाई थी। फिल्म का बजट लगभग 60 करोड़ रुपए था, लेकिन फिल्म ने भारत में लगभग 20 करोड़ का कलेक्शन ही किया था। फिल्म ने अपने बजट का आधे से कम की कमाई की थी।

मुंबई के प्रदूषण से हिना खान की सेहत पर पड़ा बुरा असर, सांस लेने में हो रही तकलीफ

भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई हमेशा अपने तेज रफ्तार जीवन और चमक-दमक के लिए जानी जाती है। हाल के वर्षों में मुंबई में हवा की गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है और लोगों के लिए दिन-प्रतिदिन की जिंदगी मुश्किल बनती जा रही है। प्रदूषण ने ना सिर्फ आम लोगों की सेहत पर असर डाला है, बल्कि सेलिब्रिटी भी इससे अछूते नहीं हैं। टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री हिना खान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि वह बढ़ते प्रदूषण की समस्या से परेशान हैं और इससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। हिना खान ने कहा, मुंबई की बिगड़ती हवा के कारण मुझे सांस लेने में मुश्किल हो रही है। प्रदूषण की वजह से लगातार खांसी है और यह सेहत पर बुरा असर डाल रहा है। ब्रेस्ट कैंसर से जूझने के कारण यह मेरे लिए और भी चुनौतीपूर्ण है।हिना खान ने कहा, प्रदूषित हवा की वजह से मेरा बाहर निकलना और शारीरिक तौर पर कोई काम करना भी सीमित हो गया है। यह मेरे दैनिक जीवन की सामान्य गतिविधियों पर भी असर डाल रहा है।अपने अनुभव को और स्पष्ट करने के लिए हिना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मुंबई के एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) का स्क्रीनशॉट साझा किया। इस स्क्रीनशॉट में शहर का एक्यूआई 209 दर्ज किया गया, जो बताता है कि हवा की गुणवत्ता खराब स्तर पर है।हिना ने कैप्शन में लिखा, क्या हो रहा है? सांस नहीं ले पा रही हूं। बाहर जाना कम कर दिया है। लगातार खांसी हो रही है। सुबह से ही हालत बहुत खराब है।इससे पहले हिना खान ने अभिनेत्री सोहा अली खान के पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर में अपने कैंसर से जूझने की चुनौतीपूर्ण यात्रा के बारे में भी खुलकर बात की थी।

क्या आप भी बेली फैट से है परेशान, इन 5 आदतों को रोजाना अपनाएं, बस फिर देखिए बदलाव

आजकल हर कोई बैठे-बैठे ही मोटापे या बेली फैट की समस्या से जूझ रहे है। बेली फैट हर किसी के लिए समस्या बनकर रह गई है इसकी वजह से व्यक्ति की पर्सनालिटी पर भी असर पड़ता है। बेली फैट की समस्या से बचने के लिए आपको हेल्दी डाइट के साथ हेल्दी हैबिट्स पर भी ध्यान देना जरूरी होता है। अगर गलत आदतों को हटाकर सिर्फ इन 5 आदतों को अपनाते है तो बेली फैट को तेजी से कम कर सकेंगे। यहां पर रोजाना अपनाएं जाने वाली ये आदतें धीरे-धीरे मोम की तरह आपके बेली फैट को घटा देती है।के पहले तरीके के बारे में बता रहे है। आप सुबह उठकर पहली आदत एक गिलास पानी पीने की डालें। इससे आपका शरीर डिहाइड्रेटेड होता है और वापस से एक्टिवेट करने के लिए पानी की आवश्यकता होती है। उठने के साथ एक गिलास पानी पिएं, इससे आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है। यहां पर तेज मेटाबॉलिज्म की बात की जाए तो इससे आपका शरीर दिन भर में ज्यादा कैलोरी बर्न कर सकता है, जो आपके पेट के आस-पास की चर्बी को कम करता है। अगर आप अनहेल्दी ईटिंग से बचें रहेंगे तो स्वस्थ और सही रहेंगे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

चार दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर पहुंचा उड़ीसा का मीडिया प्रतिनिधिमंडल

- इस यात्रा के माध्यम से भारत सरकार के विभिन्न विकासात्मक प्रोजेक्ट्स और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए व्यापक जनता तक प्रसारित होगी

- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो भुवनेश्वर की तरफ से यह प्रेस टूर आयोजित किया गया है

- चार दिवसीय कार्यक्रम के दौरान यह मीडिया प्रतिनिधिमंडल उत्तराखंड में शौर्य स्थल, वन अनुसंधान संस्थान, टिहरी जलविद्युत परियोजना, राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना समेत दिल्ली-देहरादून एलिवेटेड एक्सप्रेसवे का दौरा करेगा

देहरादून(संवाददाता)। मंगलवार को भुवनेश्वर,उड़ीसा से पत्रकारों का एक दल उत्तराखंड में चार दिवसीय दौरे पर पहुंचा। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो भुवनेश्वर की तरफ से यह प्रेस टूर आयोजित किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य सरकारों के द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों, राज्य की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराकर बेहतर अनुभव प्रदान करना है।

प्रेस सूचना ब्यूरो भुवनेश्वर के सहायक निदेशक महेंद्र जेना और सूचना सहायक विकास रंजम दलाई के साथ उड़ीसा के विभिन्न अनुभवी पत्रकारों का दल अगले चार दिन केंद्र सरकार के महत्वकांक्षी विकास परियोजनाओं का स्थल भ्रमण करेगा।चार दिवसीय कार्यक्रम के दौरान उड़ीसा का यह मीडिया प्रतिनिधिमंडल उत्तराखंड के राज्यपाल , लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह से भेंट करेगा। साथ ही शौर्य स्थल, वन अनुसंधान संस्थान, टिहरी जलविद्युत परियोजना, राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना समेत दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का दौरा करेगा।इस दौरान उड़ीसा के पत्रकारों का दल विभिन्न अधिकारियों से भेंट करेगा और प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करेगी।उड़ीसा के मीडिया प्रतिनिधियों की यह यात्रा उन्हें उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, कला एवं परंपराओं का अनुभव करने और समझने का अवसर भी प्रदान करेगी।इस यात्रा के माध्यम से पत्रकार राज्य में भारत सरकार के विभिन्न विकासात्मक प्रोजेक्ट्स और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एकत्र करेंगे तथा इसे अपनी-अपनी मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए व्यापक जनता तक प्रसारित करेंगे।

वनाग्नि रोकने के गंभीर प्रयासों से बढ़ी उम्मीदें

- राज्य सरकार ने एक वर्ष में पांच करोड़ रूपये से ज्यादा का पिरूल खरीदा

- पहली बार मिला फायर वाचर्स को सुरक्षा कवच, दस लाख का सामूहिक बीमा

- प्रधानों की अध्यक्षता में कमेटी, ग्राम पंचायत को 30 हजार की प्रोत्साहन राशि

देहरादून(संवाददाता)। प्रदेश में वनाग्नि को रोकने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जिन गंभीर प्रयासों को शुरू किया गया है, उनसे सार्थक परिणामों की उम्मीदें बढ़ रही हैं। सरकार ने वन विभाग के माध्यम से एक वर्ष के भीतर ग्रामीणों से पांच करोड़ 42 लाख रूपये का पिरूल खरीदा है। चीड़ के जंगलों में आग लगने के मूल कारण को खत्म करने के लिए ग्रामीणों से वर्ष 2025 में 5532 टन पिरूल खरीदा गया है। इस लक्ष्य को अब बढ़ाकर 8555 टन कर दिया गया है। सरकार की ये ही मंशा है कि पिरुल एकत्रित कर आग की आशंका को न्यूनतम स्तर पर पहुंचा दिया जाए।

कुंभ से पहले होगा भीमगोडा कुंड का सौंदर्यीकरण

हरिद्वार(संवाददाता)। वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले कुंभ मेले को दिव्य और भव्य बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसी क्रम में मेला प्रशासन कुंभ क्षेत्र के पौराणिक और ऐतिहासिक स्थलों के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण की कार्ययोजना पर काम कर रहा है। मेलाधिकारी सोनिका के निर्देश पर भीमगोडा कुंड के सौंदर्यीकरण की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। मंगलवार को अपर मेलाधिकारी दयानन्द सरस्वती ने तकनीकी विशेषज्ञों की टीम के साथ भीमगोडा कुंड का स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं और विकास कार्यों की रूपरेखा पर विचार विमर्श किया। निरीक्षण के दौरान कुंड में पौराणिक स्रोत से जल आपूर्ति की व्यवस्था, कुंड में एकत्रित जल की समुचित निकासी, संरचनात्मक सुधार तथा सौंदर्यीकरण से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद सुमित चौधरी तथा क्षेत्र के नागरिकों से भी विचार विमर्श कर उनके सुझाव प्राप्त किए गए, ताकि विकास कार्य स्थानीय भावनाओं और परंपराओं के अनुरूप किए जा सकें। दयानन्द सरस्वती ने बताया कि भीमगोडा कुंड की पौराणिक पहचान और मूल स्वरूप को संरक्षित रखते हुए इसे अधिक आकर्षक और सुविधाजनक बनाया जाएगा। कुंड में निरंतर स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए इसके प्राचीन जलस्रोत से पानी की आपूर्ति की व्यवस्था की जाएगी। वहीं कुंड से पानी की निकासी के लिए भी समुचित प्रबंध किए जाएंगे, जिससे जल की स्वच्छता बनी रहे। भीमगोडा कुंड के चारों ओर एक सुंदर पार्क विकसित किया जाएगा। पार्क क्षेत्र में बैठने के लिए पर्याप्त संख्या में बेंच स्थापित की जाएंगी। साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मजबूत रेलिंग, सुरक्षित मार्ग तथा समुचित प्रकाश व्यवस्था भी की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कुंभ मेला तकनीकी प्रकोष्ठ के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुमार, सहायक अभियंता एसके तोमर सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार...

डॉ निशंक ने किया खिलाडियों का सम्मान

ऋषिकेश(संवाददाता)। स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय एवं हिमालयीय आयुर्वेदिक (पीजी) मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को पूर्व सीएम डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने महादेव क्रिकेट टूर्नामेंट के विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को सम्मानित किया। विवि के पूर्व प्रति कुलपति डॉ. राजेश नैथानी ने बताया कि पिनानी गांव में हाल ही में सम्पन्न हुए क्रिकेट टूर्नामेंट के उपलक्ष्य में किया गया, जिसमें 27 से अधिक टीमों ने भाग लिया था। फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए पिनानी की टीम ने खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम को 11,000 रुपये, प्रथम उपविजेता टीम को 7,500 तथा द्वितीय उपविजेता टीम को 5000 रुपये की धनराशि के साथ सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित अवसर और प्रोत्साहन देने की है। मौके पर स्पर्श हिमालय विवि के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप भारद्वाज, कृष्ण चमोली, राज्यमंत्री सचिदानंद शर्मा, स्पर्श हिमालय विवि के प्रति कुलपति डॉ. राकेश सुन्दियाल, कुलसचिव अरविंद अरोरा, संयुक्त निदेशक डॉ. प्रदीप कोठियाल, प्राचार्य डॉ नीरज श्रीवास्तव, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. निशांत राय आदि मौजूद रहे।

बदलता मौसम पद रहा सेहत पर भारी

ऋषिकेश(संवाददाता)। लगातार बदलता मौसम लोगों की सेहत पर भारी पड़ रहा है। सरकारी अस्पताल की ओपीडी में लगातार मरीजों की संख्या बढ़ रही है। अस्पताल में हर दिन करीब 200 जांच भी हो रही है। डॉक्टर लोगों को बदलते मौसम में सतर्कता बरतने को कह रहे है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 18 डिग्री रहा। मौसम का बदलता मिजाज स्वास्थ्य को खतरे में डाल रहा है। उप जिला अस्पताल ऋषिकेश की ओपीडी में मंगलवार को हर तीसरा मरीज बुखार के साथ पेट दर्द, खांसी और कमजोरी की शिकायत लेकर पहुंचा। चिकित्सक दवा के साथ खानपान में बदलाव की सलाह दे रहे हैं। मौसम में आ रहे बदलाव के कारण बच्चों से लेकर बड़े तक बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। इसमें सबसे अधिक मरीज वायरल के आ रहे हैं। अस्पताल में हर दिन 400 सौ की ओपीडी में करीब डेढ़ सौ मरीज बुखार से पीड़ित होकर पहुंच रहे हैं। करीब साठ से सत्तर बच्चे भी वायरल की चपेट में आकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। बीते एक सप्ताह से यह स्थिति बनी हुई है। बुखार के मरीजों के ब्लड सैंपल की जांच भी कराई जा रही है। सरकारी लैब में इन दिनों करीब दो सौ जांच रोज हो रही है। लगातार खांसी,जुकाम,बुखार के मरीज आने से अस्तपाल में लाइन लग रही है। सरकारी अस्पताल में कुल 165 बेड हैं। सीएमएस डा. केएस राणा ने बताया कि इन दिनों वायरल के मरीज अधिक आ रहे हैं।

बहादराबाद थाने का एसएसपी ने किया सालाना निरीक्षण, अभिलेख अपडेट न होने पर जताई नाराजगी

हरिद्वार(संवाददाता)। पुलिसकर्मी अपने व्यवहार में सुधार लाएंगे और थाने में आने वाले हर फरियादी की समस्या को नम्रतापूर्वक सुनेंगे। इसके साथ ही, गुण-दोष के आधार पर लंबित विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण किया जाएगा। मंगलवार को वार्षिक निरीक्षण के तहत बहादराबाद थाने पहुंचे एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने अफसर-कर्मचारियों को यह निर्देश दिए। उन्होंने थाना परिसर, कार्यालय, मालखाना, शस्त्रागार और लॉकअप का जायजा लिया। कई अभिलेख अपडेट न मिलने पर नाराजगी जताते हुए 15 दिन के भीतर सभी रजिस्टरों को दुरुस्त कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। ग्राम अपराध रजिस्टर में भी हल्का प्रभारियों की ओर से अपने क्षेत्रों की जानकारी अपडेट न होने पर तीन दिन का समय दिया। बैरक और मेस में पहुंचे एसएसपी ने निर्देश दिया कि जवानों को ताजा और अच्छी गुणवत्ता का भोजन उपलब्ध कराया जाए और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर एसपी क्राइम निशा यादव, एसपी सिटी अभय कुमार, सीओ बहादराबाद संजय चौहान भी मौजूद रहे।सरकारी संपत्ति का सदुपयोग होमालखाना पहुंचे एसएसपी ने पाया कि विभिन्न मुकदमों से जुड़ा काफी पुराना माल लंबित है।

दुकानों के बोर्ड पर जीएसटी-मोबाइल नंबर अंकित करवाए

हरिद्वार(संवाददाता)। प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष डा. विशाल गर्ग के नेतृत्व में व्यापारियों ने मंगलवार को अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती को ज्ञापन देकर कुंभ मेला क्षेत्र में संचालित दुकानों के बोर्ड पर जीएसटी एवं मोबाइल नंबर अंकित करने की मांग की है। डा. विशाल गर्ग ने कहा कि कुंभ मेला क्षेत्र में दुकानों के सामने एक समान बोर्ड लगाए जा रहे हैं और उन पर दुकानदारों और दुकानों के नाम अंकित किए जा रहे हैं। लेकिन बोर्ड पर जीएसटी और मोबाइल नंबर अंकित नहीं किए जा रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव पंत द्वारा जेल रोड, हल्द्वानी, नैनीताल उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन जेल रोड, हल्द्वानी नैनीताल से मुद्रित। सम्पादक - राजेश पंत
फोन नं0- 05946-254443 प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/36647 email: jokhimhaldwani2013@gmail.com
ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़ने के लिए लॉगआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com